

रिहा वि. (फा.) 1. जो किसी बंधन से छूटा हुआ हो, मुक्त उदा. कारागार से रिहा 2. किसी संकट आदि से बचा हुआ, उबरा।

रिहाइश स्त्री. (फा.) 1. निवास करने का स्थान 2. स्थिति 3. रहन-सहन।

रिहाई स्त्री. (फा.) 1. बंधन से मुक्ति, छुटकारा 2. जेल से मुजरिम की मुक्ति।

रींधना स.क्रि. (देश.) 1. राँधना, पकाना उदा. दलिया राँधना 2. भोजन पकाना।

री पुं. (अव्य.) 1. किसी स्त्री, सहेली या लड़की के प्रति किया जाने वाला संबोधन, एरी, अरी उदा. री लड़की, इधर आ, अरी बहन, अब तुम स्वस्थ हो ना 2. उपेक्षा या निंदापूर्वक किसी स्त्री, लड़की या सखी के प्रति संबोधित किया जाने वाला शब्द है, अरी उदा. 'री' लड़की तू अभी तक सो रही है! 'री' सखी! ऐसा मत बोल **स्त्री. (तत्.)** 1. बहना, टपकना 2. गति 3. शब्द, ध्वनि 4. वध, हत्या।

रीछ पुं. (तद्.) शरीरस्थ काले बालों से युक्त, स्थूल मध्यम आकार वाला, सींग रहित, काले रंग का एक जंगली हिंसक जानवर जिसका मुख कुछ लंबाई लिए हुए, पतला तथा पूँछ छोटी होती है तथा वह पेड़ पर चढ़ सकता है, भालू।

रीछराज पुं. (तद्.) 1. रीछों का राजा 2. रीछों का स्वामी जामवंत।

रीझ स्त्री. (तत्.) 1. रीझने या प्रसन्न होने की क्रिया या भाव, रिझाव 2. मोहित होने की क्रिया या भाव, मुग्ध।

रीझना अ.क्रि. (तत्.) 1. किसी के रूप, गुण, कला आदि पर मुग्ध हो जाना 2. किसी के गुण, कला, व्यवहारशीलता आदि को देखकर मन से प्रसन्न होना।

रीठा पुं. (तद्.) 1. करंज जाति का एक जंगली बड़ा वृक्ष 2. उक्त वृक्ष का बेर के आकार का काले रंग का फूल जिसे पानी में भिगोकर मलने से फेन निकलता है जिससे ऊनी वस्त्र धोये जाते हैं 3. चूना बनाने के लिए कंकड़ फूँकने का भट्ठा।

रीडर पुं. (अं.) 1. पढ़ने वाला, पाठक, वाचक आदि 2. किसी भाषा की प्रारंभिक पाठ्य पुस्तक 3. कचहरी या न्यायालय में न्यायाधीश का पेशकार 4. विश्वविद्यालय में शिक्षकों का एक पद जो सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर के बीच का होता है।

रीढ़ स्त्री. (तद्.) 1. मनुष्य आदि प्राणियों में गर्दन से कमर तक की एक अस्थि शृंखला या बीच की हड्डी, मेरुदंड, रीढ़ की हड्डी 2. लाक्ष. प्रमुख आधार उदा. युवापीढ़ी ही हमारे समाज की रीढ़ है।

रीत स्त्री. (तद्.) 1. किसी समाज, कुल आदि में अतीत काल से चली आयी कोई परंपरा, प्रथा, रीति, रिवाज 2. ढंग, नियम, परिपाटी।

रीतना अ.क्रि. (तद्.) किसी चीज का रिक्त हो जाना, खाली होना उदा. पानी की टंकी रीत गई है **स.क्रि.** किसी वस्तु को रिक्त या खाली करना उदा. इस पात्र को अन्न से रीता कर दो।

रीता वि. (तद्.) रिक्त, शून्य, खाली उदा. रीता पात्र, रीता कोष, रीता ज्ञान।

रीति स्त्री. (तत्.) 1. पहले से चली आ रही किसी देश, कुल आदि की परिपाटी, परंपरा, रिवाज, चलन, रस्म आदि 2. पद्धति, ढंग, शैली 3. नियम 4. मार्ग 5. गति, बहाव 6. नदी, झरना 6. रेखा सीमा 7. पीतल, काँसा 8. लोहे का मोर्चा, जंग 10. बरतनों पर कलाई 11. क्षरण, झरना, टपकना 12. काव्य. ऐसी विशिष्ट पद रचना जिसके कारण काव्य में ओज माधुर्य व प्रसाद गुणों की स्थिति भासित हो, वैदर्मी, गौड़ी, पांचाली इसके तीन भेद हैं 13. काव्य की आत्मा।

रीतिकाल पुं. (तत्.) हिंदी साहित्य का वह काल जब रीतिग्रंथों के लिखने की विशेष प्रवृत्ति प्रारंभ हुई, आचार्य शुक्ल के अनुसार वि.स. 1700 से 1800 वि.सं. तक।

रीतिकाव्य पुं. (तत्.) वह काव्य या काव्य ग्रंथ जिसमें अलंकार, रस, ध्वनि, गुण नायिका भेद,